Regarding flood stuation in Bihar particularly in Gopalganj and employing various measures like boulder and pitching of sides of district to prevent loss

डॉ. आलोक कुमार सुमन **(**गोपालगंज**) :** सभापति महोदया, धन्यवाद ।

महोदया, बिहार प्रदेश गंगा, गंडक, कोसी और सोन जैसी अनेक जीवंत नदियों की प्रवाहस्थली है । ? (व्यवधान) इस क्षेत्र में अधिकांश वर्षा मानसून के तीन महीनों में होती है, जिसके दौरान नदियों का प्रवाह कई गुना तक बढ़ जाता है और बाढ़ की विकराल समस्या उत्पन्न हो जाती है ।

बिहार के 94,160 वर्ग किलोमीटर के कुल क्षेत्रफल में से 68,800 वर्ग किलोमीटर, जो कि कुल भूमि क्षेत्र का अनुमानित 73 प्रतिशत है, बाढ़ की चपेट में रहता है । इसके साथ ही भारत में बाढ़ से होने वाले नुकसान का लगभग 30-40 प्रतिशत हिस्सा बिहार में आने वाली बाढ़ से होता है । भारत में कुल बाढ़ प्रभावित आबादी का 22.1 प्रतिशत बिहार राज्य में स्थित है ।

बिहार के सर्वाधिक 28 बाढ़ प्रभावित जिलों में गोपालगंज, जो कि मेरा संसदीय क्षेत्र है, वहां भारी बारिश के कारण बाढ़ की उल्लेखनीय स्थिति हो जाती है । साथ ही पश्चिम चंपारण और गोपालगंज जिले में हर वर्ष चिंताजनक स्थिति बन जाती है । नदियों का जल स्तर बढ़ने से फसलें भी बर्बाद होती हैं । इसके कारण सैकड़ों की संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं ।

महोदया, इसलिए मैं इस सदन के माध्यम से माननीय जल संसाधन मंत्री जी का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र गोपालगंज और बिहार के अन्य जिलों की तरफ दिलाना चाहता हूँ और यह माँग करता हूँ कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर गोपालगंज जिले में बोल्डर और पिचिंग कराकर उसके किनारे को मजबूत किया जाए ताकि बाढ़ से प्रभावित लोग बच सकें, हमारे क्षेत्र का विकास हो, रेवेन्यु का नुकसान न हो और फसल बर्बाद न हो । धन्यवाद ।